[Shri Ahamed Hassan]

₹200/- per day. Given the *per capita* income of India, there is a real challenge in ensuring that citizens, especially children, are consuming food with the right nutritional values.

More than half the number of deaths of children under five years of age occur due to malnutrition (over 7 lakh deaths in 2017), which also poses serious maternal health issues leading to neonatal disorders in the children. Although India's under-five mortality rate has improved over the last few years, the proportion of deaths due to malnutrition has not decreased significantly.

Recent reports from various parts of the country claiming that children at schools are not being served nutritious food as part of their mid-day meal further exacerbates this problem. Taking due cognisance of this problem, the West Bengal Education Department has fixed the menu for mid-day meals at schools across the State with a nutritious combination of vegetarian and non-vegetarian food with regular servings of lentils. It is urgent that the Government aids the States in their effort to ensure that every child has access to a nutritious and affordable diet that can pave the way to a brighter future for our country.

श्री सभापति: डा. सत्यनारायण जटिया जी, आप संस्कृत में बोलेंगे या हिन्दी में बोलेंगे?

Demand to celebrate Shri Dattopanth Thengadis Birth Centenary

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं संस्कृत में बोलूंगा।

*"मुझे मेरे देश को स्वतंत्र करना है।
मैं आंदोलन करूंगा, भूखा रहूँगा।
किंतु आंदोलन नही छोडूंगा।"

ये उद्‌गार हैं उस बालक के जिसका नाम दत्तोपंत था। उस समय देश भर में स्वतंत्रता आंदोलन चल रहा था। इसी बालक ने आगे चलकर सन् 1955 में आज के श्रम संगठनों में देश में प्रथम स्थान पर विद्यमान भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की। "श्रमम् विना न किमपि साध्यम्?" उन्होंने श्रमिकों में राष्ट्रभाव का जागरण किया। वे राष्ट्र का औद्योगीकरण, उद्योगों का श्रमिकीकरण करना चाहते थे। वर्ष 2019 ऐसे ही राष्ट्रपुरुष का शताब्दी वर्ष है। इनका जन्म महाराष्ट्र प्रांत के वर्धा जिले के आर्वी ग्राम में 10 नवंबर, 1920 को हुआ। उन्होंने नागपुर के मोरिस कॉलेज से स्नातक तथा एल.एल.बी. विधि स्नातक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। मानव से महामानव

†Hindi translation of the original speech made in Sanskrit.

की यात्रा परिवार से प्रारंभ होकर राष्ट्रीय सेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के सानिध्य में प्रारंभ हुई। वे दो बार राज्य सभा सदस्य तथा उपसभापति पैनल के सदस्य रहे। महान भाषाविद् 35 हिंदी, 10 अंग्रेजी, 3 मराठी इत्यादि पुस्तकों के लेखक, भारतीय मजदूर संघ के साथ ही भारतीय किसान संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सर्वपंथ समादर मंच, समरसता मंच, ग्राहक पंचायत, पर्यावरण मंच सहित प्राय: 50 संगठन-संस्थाओं के संस्थापक, संरक्षक व मार्गदर्शक रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय केशवराव बलिराम हेडगेवार की भावना "तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहे ना रहें।" से प्रेरित रहे।

इस अनासकत कर्मयोगी, इस दिव्य आत्मा ने पुणे में 14 अक्टूबर, 2004 को 84 वर्ष की आयु में शरीर को मुक्त कर दिया।

मेरा केंद्र सरकार से आग्रह है श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के इस जन्म शताब्दी वर्ष को सांस्कृतिक अधिष्ठान की स्थापनार्थ अत्यंत गौरव गरिमा के साथ आयोजित करें।

"यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जन: |
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते?"

डा. सोनल मानसिंह (नाम निर्देशित): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री लाल सिंह वड़ोदिया (गुजरात): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Shri V. Vijayasai Reddy, not present; Prof. Rajeev Gowda, not present. ...*(Interruptions)*... Whoever has raised their hands for association, please send the slip. Shri A.K. Selvaraj.

Demand for financial sanction for interlinking Godavari-Cauvery rivers

SHRI A.K. SELVARAJ (Tamil Nadu): Hon. Chairman, Sir, Tamil Nadu is one of the most productive States in the country contributing substantially to the Central Exchequer. But, unfortunately, still a water-deficit State with the annual per capita availability of water being 860 cubic meters only, as against the national average of 1,869 cubic meters.